EDUCATION

Indo-Gulf International Conference On 10th April 2026

TEN NEWS NETWORK

On Apr 13, 2026

Share

Greater Noida (13/04/2026): I.T.S College of Pharmacy, in collaboration with APP Gulf International Branch, organised an Indo-Gulf International Conference on "Global Scenario & Trends in Artificial Intelligence and Pharmaceutical Sciences" on 10th April 2026.

The conference commenced with registration from 8:30 am onwards at the Activity Hall. The inaugural session was held at the Vikram Sarabhai Auditorium and was graced by 751 participants. The program began with the arrival of the Chief Guest and dignitaries, followed by the ceremonial lamp lighting. Dr. S. Sadish Kumar, Director of I.T.S College of Pharmacy, delivered the welcome address and, warmly greeted all dignitaries, speakers, and participants. He expressed gratitude to the Honourable Vice-Chairman, for gracing the occasion. He emphasized the conference theme focusing on AI-driven advancements in pharmaceutical sciences.

This was followed by insightful addresses from Arpit Chadha, Vice Chairman, I.T.S The Education Group. He congratulated the organizing team for successfully conducting the conference and emphasized the growing importance of artificial intelligence in the future. He highlighted the significance of continuous learning and appreciated the large participation of delegates. He encouraged interactive, two-way communication between speakers and participants for better knowledge exchange. He concluded by expressing confidence that the conference would provide a valuable learning experience for all.

Dr. Vimal Gupta, Managing Director, ABYSS Pharma Pvt. Ltd. (Guest of Honour), highlighted the potential of artificial intelligence in discovering new drugs, improving drug use, and enhancing patient treatment. He noted that traditional drug development takes many years, whereas AI can accelerate this process and address unmet medical needs. He expressed confidence that AI will significantly advance healthcare without replacing human expertise, emphasizing the importance of learning and collaboration.

Sandeep Soni, Consultant CXO & Managing Director, Wixx Healthcare (Guest of Honour), highlighted that artificial intelligence represents an advanced and high-speed utilization of internet technologies, where data plays a crucial role in shaping the market. He emphasized that AI is transforming industries and encouraged participants to learn, adapt, and gain valuable insights from the conference.

The inaugural session concluded with a keynote talk by Prof. Rajiv Dahiya, Founder President, APPS, UWI, Trinidad & Tobago, who emphasised global perspectives on AI-driven pharmaceutical advancements. He expressed his gratitude to the management for organizing the conference in commemoration of World Health Day. He appreciated the initiative and conveyed his best wishes for the success of the conference.

The scientific sessions were conducted at the Vikram Sarabhai Auditorium and featured eminent speakers, who provided highly informative presentations and encouraged active participation from the audience. Scientific Session I was delivered by Prof. Gaurav Gupta, Adjunct Research Professor, Centre of Medical and Bio-allied Health Sciences Research, Ajman University, UAE, on "From Pills to Pixels: Understanding AI's Role in Modern Pharmacy". He provided valuable insights into the transformative role of artificial intelligence in modern pharmacy. He elaborated on the application of AI driven end to end drug pipelines, autonomous laboratories and its integration with digital health. The session also highlighted the significance of AI in transforming pharma from reactive to predictive medicine. Emerging innovations such as AI-driven drug delivery systems and smart therapeutic platforms were discussed, showcasing futuristic prospects in the field. The talk effectively illustrated how AI is shifting the pharmaceutical paradigm from conventional approaches to more predictive and precision-based healthcare. Overall, the session was highly informative and enriched the understanding of participants regarding AI integration in pharmaceutical sciences.

Scientific Session II was presented by Prof. Mymoona Akhter, School of Pharmaceutical Education and Research (SPER), Jamia Hamdard, Hamdard Nagar, New Delhi, focusing on "Artificial Intelligence in Drug Design & Development: A Paradigm Shift". She highlighted how artificial intelligence is revolutionising traditional drug discovery processes by enhancing efficiency, accuracy, and speed. Key aspects such as target identification, virtual screening, and predictive modelling were discussed in detail. The session emphasised the integration of machine learning tools in optimising drug candidates and reducing failure rates. She also shed light on the role of AI in streamlining clinical trials and data analysis. The talk underlined the transition from conventional methods to data-driven approaches in drug development. Overall, the session was highly informative and broadened the participants' understanding of AI-driven innovations in the pharmaceutical domain.

TEN NEWS SPONSORS

GALGOTIAS UNIVERSITY

GL BAJAJ Educational Institutions FIND YOUR SPARK

I.T.S The Education Group

EPCH

Image

सम्मेलन में एआई के उपयोग पर चर्चा

12/04/2026

मुरादनगर। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में इंडो गल्फ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एआई के उपयोग पर चर्चा की गई।

सम्मेलन में विभिन्न संस्थानों के 700 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विमल गुप्ता, संदीप सोनी, आईटीएस समूह के चेयरमैन डॉ. आरपी चढ्डा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। विशेषज्ञों ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फार्मास्यूटिकल उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है और इससे दवाओं के विकास की प्रक्रिया अधिक तेज हो रही है। डॉ. संदीप सोनी ने एआई की बढ़ती भूमिका के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में
इंडो-गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया

संवाददाता (आप अभीतक)

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर द्वारा एसोसिएशन ऑफ फामेर्सी प्रोफेशनल्स की गल्फ इंटरनेशनल ब्रांच के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वैश्विक परिदृश्य एवं उभरते रुझान नामक शीर्षक पर इंडो-गल्फ इंटरनेशनल सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें 27 विश्वविद्यालय व 39 कॉलेज के 700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में कुल ऑनलाइन व ऑफलाइन साइंटिफिक ऐब्स्ट्रैक्ट 195, ओरल प्रेजेंटेशन में 105 एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 85 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण डॉ. विमल गुप्ता, संदीप सोनी, एवं आईटीएस दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चढ्डा, वाइस चेयरमैन अर्पित चढ्डा, संस्थान के निदेशक डॉ एस सदीश कुमार, संस्थान की डीन डॉ राजकुमारी व शिक्षकगणों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। संदीप सोनी ने कहा वर्तमान समय में फार्मास्यूटिकल उद्योग तीव्र प्रतिस्पर्धा, उच्च अनुसंधान लागत और कम समय में बेहतर परिणाम देने की चुनौती का सामना कर रहा है, ऐसे में एआई एक सशक्त समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि किसी भी ज्ञानवर्धक मंच पर एकतरफा संवाद का कोई विशेष महत्व नहीं होता, बल्कि वास्तविक सीख तभी संभव है जब संवाद दो-तरफा हो। सम्मेलन में आगे प्रो. मैमूना अख्तर, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली, ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से जटिल जैविक डेटा का विश्लेषण अधिक सटीकता और तीव्रता के साथ संभव हो पाया है।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में इंडो-गल्फ इंटरनेशनल सम्मेलन

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में शनिवार को एसोसिएशन ऑफ फामेर्सी प्रोफेशनल्स की गल्फ इंटरनेशनल ब्रांच के सहयोग से 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वैश्विक परिदृश्य एवं उभरते रुझानइ विषय पर इंडो-गल्फ इंटरनेशनल सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में 27 विश्वविद्यालयों और 39 कॉलेजों के 700 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चढ्डा, वाइस चेयरमैन अर्पित चढ्डा, निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार, डीन डॉ. राजकुमारी, विशिष्ट अतिथि डॉ. विमल गुप्ता एवं संदीप सोनी सहित शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। अपने संबोधन में डॉ. विमल गुप्ता ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फार्मास्यूटिकल उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है, जिससे दवाओं के विकास की प्रक्रिया तेज, सटीक और प्रभावी बन रही है। उद्योग विशेषज्ञ संदीप सोनी ने फार्मा सेक्टर में एआई की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा और शोध लागत की चुनौतियों के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक सशक्त समाधान बनकर उभरा है और आने वाले समय में यह फार्मा उद्योग की मूल संरचना का हिस्सा बन जाएगा। वाइस चेयरमैन अर्पित चढ्डा ने सम्मेलन को ज्ञान और नवाचार का वैश्विक मंच बताते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक शिक्षा देना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक तकनीकों और व्यावहारिक ज्ञान से जोडऩा है। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार ने स्वागत संबोधन में कहा कि सम्मेलन ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर शिक्षा, शोध और उद्योग के बीच संवाद को मजबूत किया है। वैज्ञानिक सत्रों में अजमान यूनिवर्सिटी, यूएई के प्रो. गौरव गुप्ता ने पारंपरिक दवा प्रणाली से डिजिटल और एआई आधारित फामेर्सी की ओर हो रहे बदलाव पर चर्चा की।

जामिया हमदर्द की प्रो. मैमूना अख्तर ने बताया कि एआई के माध्यम से जटिल जैविक डेटा का विश्लेषण अधिक सटीक हो रहा है, जिससे नई दवाओं की खोज और रोगों की प्रारंभिक पहचान संभव हो रही है। वहीं शारदा यूनिवर्सिटी के प्रो. पीयूष मित्तल ने एआई को शोध, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच मजबूत सेतु बताया। सम्मेलन के दौरान कुल 195 ऑनलाइन एवं ऑफलाइन वैज्ञानिक एब्स्ट्रैक्ट प्रस्तुत किए गए। ओरल प्रेजेंटेशन में 105 तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 85 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष पैनल डिस्कशन भी आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. पुनीत गुप्ता, पुनीत निर्मल, डॉ. एस. सदीश कुमार एवं डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान किया। विजेताओं को प्रतीक चिन्ह एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन डीन डॉ. राजकुमारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने संस्थान प्रबंधन, विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं, पैनलिस्ट्स और देश-विदेश से आए प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन का संचालन मनीष कुमार, साक्षी चौहान एवं निधि शर्मा ने किया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए मार्गदर्शक साबित हुआ।

आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फार्मेसी, इंडो-गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर द्वारा एसोसिएशन ऑफ फार्मेसी प्रोफेशनल्स की गल्फ इंटरनेशनल ब्रांच के सहयोग से ह्रआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वैश्विक परिदृश्य एवं उभरते रुझानह्व नामक शीर्षक पर इंडो-गल्फ इंटरनेशनल सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 27 विश्वविद्यालय व 39 कॉलेज के 700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में कुल ऑनलाइन व ऑफलाइन साईंटिफिक ऐब्स्ट्रैक्ट 195, ओरल प्रेजेंटेशन में 105 एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 85 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण डॉ0 विमल गुप्ता, मि0 संदीप सोनी, एवं आई0 टी0 एस0 दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार, संस्थान की डीन डॉ0 राजकुमारी व शिक्षकगणों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ0 विमल गुप्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर, ए0 बी0 वाई0 एस0 एस0 फार्मा प्रा0 लि0 ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फार्मास्यूटिकल उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है और इससे दवाओं के विकास की प्रक्रिया अधिक तेज एवं सटीक हो रही है। कार्यक्रम में आगे मि0 संदीप सोनी, कंसल्टेंट सीएक्सओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, वीक्स हेल्थकेयर ने अपने विस्तृत संबोधन में उद्योग के दृष्टिकोण से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में फार्मास्यूटिकल उद्योग तीव्र प्रतिस्पर्धा, उच्च अनुसंधान लागत और कम समय में बेहतर परिणाम देने की चुनौती का सामना कर रहा है, ऐसे में एआई एक सशक्त समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है।उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आने वाले समय में एआई केवल एक सहायक तकनीक नहीं रहेगी, बल्कि यह फार्मा सेक्टर की मूलभूत संरचना का हिस्सा बन जाएगी।

इस अवसर पर आई0 टी0 एस0 दी एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा, ने अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार, सम्मेलन के आयोजकों, विशिष्ट अतिथियों तथा देश-विदेश से पधारे सभी डेलीगेट्स एवं छात्र-छात्राओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन केवल संस्थान

तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने अपने संबोधन में यह स्पष्ट किया कि आई0 टी0 एस0 दी एजुकेशन ग्रुप का उद्देश्य केवल किताबी शिक्षा प्रदान करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास, उनके व्यावहारिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों से जुड़ाव को सुनिश्चित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सम्मेलन के माध्यम से प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नई जानकारियां प्राप्त होंगी, जो उनके भविष्य के करियर में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगी। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी ज्ञानवर्धक मंच पर एकतरफा संवाद का कोई विशेष महत्व नहीं होता, बल्कि वास्तविक सीख तभी संभव है जब संवाद दो-तरफा हो। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे यहां उपस्थित विशेषज्ञों, वक्ताओं और उद्योग के अनुभवी व्यक्तियों से अपने प्रश्नों को निःसंकोच साझा करें, चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लें और इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं। अंत में उन्होंने सभी का पुनः धन्यवाद करते हुए आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन सभी के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और भविष्य के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने अपने स्वागत संबोधन में सभी मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं प्रतिभागियों का हृदय से स्वागत करते हुए कहा कि इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ एक मंच पर एकत्रित हुए हैं। वैज्ञानिक सत्रों के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने अत्याधुनिक तकनीकों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसी क्रम में प्रो0 गौरव गुप्ता, अजमान यूनिवर्सिटी, अजमान, यूएई ने बताया कि पारंपरिक दवा प्रणाली (पिल्स) से डिजिटल एवं एआई आधारित फार्मेसी (पिक्सल्स) की ओर तेजी से परिवर्तन हो रहा है, जिसमें डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डिजिटल हेल्थ टेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सम्मेलन में आगे प्रो0 मैमूना अख्तर, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली, ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से जटिल जैविक डेटा का विश्लेषण अधिक सटीकता और तीव्रता के साथ संभव हो पाया है, जिससे नई दवाओं की खोज, रोगों की प्रारंभिक पहचान तथा उपचार की प्रभावशीलता में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।

सम्मेलन में प्रो0 पीयूष मित्तल, शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश ने भी सक्रिय भागीदारी करते हुए शोध, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करते हुए भविष्य में एक अधिक उन्नत, सटीक और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। सम्मेलन के अंतर्गत ओरल प्रेजेंटेशन, विभिन्न प्रकार के पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं विशेष पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया, जिसने कार्यक्रम को और अधिक ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक बना दिया। इस पैनल में डॉ0 पुनीत गुप्ता, मि0 पुनीत निर्मल, संबोधन के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार एवं डॉ0 मनोज कुमार शर्मा ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया। इस चर्चा में प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों और जिज्ञासाओं को पैनलिस्ट्स के समक्ष रखा, जिनका विशेषज्ञों ने संतोषजनक एवं व्यावहारिक उत्तर दिया गया। सम्मेलन के अंतर्गत ओरल प्रेजेंटेशन व पोस्टर प्रेजेंटेशन विजेताओं को प्रतीक चिन्ह व पुरस्कार प्रदान किये गयें। अंत में सम्मेलन का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया, जिसे डॉ0 राजकुमारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए संस्थान के प्रबंधन, विशेष रूप से आई0 टी0 एस0 दी एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा व सभी विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं, पैनलिस्ट्स, आयोजकों तथा देश-विदेश से आए प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। सम्मेलन का संचालन मि0 मनीष कुमार, मिस0 साक्षी चौहान व मिस0 निधी शर्मा ने किया।

सम्मेलन में AI की भूमिका पर की चर्चा

■ **NBT न्यूज, मुरादनगर :** दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस कॉलेज आफ फार्मेसी मे इंडो गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। इसमे विभिन्न संस्थानो के 700 से अधिक छात्रो ने हिस्सा लिया। कॉलेज सभागार मे डॉ. विमल गुप्ता ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेस फार्मास्यूटिकल उद्योग मे क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। इससे दवाओ के विकास की प्रक्रिया अधिक तेज एव सटीक हो रही है। डॉ. संदीप सोनी ने एआई की बढ़ती भूमिका के बारे मे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि यह सम्मेलन केवल संस्थान तक सीमित नही है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर में इंडो-गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर द्वारा एसोसिएशन ऑफ फार्मेसी प्रोफेशनल्स की गल्फ इंटरनेशनल ब्रांच के सहयोग से 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वैश्विक परिदृश्य एवं उभरते रुझान' नामक शीर्षक पर इंडो-गल्फ इंटरनेशनल सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 27 विश्वविद्यालय व 39 कॉलेज के 700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में कुल ऑनलाइन व ऑफलाइन साइंटिफिक ऐब्सट्रैक्ट 195, ओरल प्रेजेंटेशन में 105 एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 85 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण डॉ विमल गुप्ता, संदीप सोनी, एवं आईटीएस दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, संस्थान के निदेशक डॉ एस सदीश कुमार, संस्थान की डीन डॉ राजकुमारी व शिक्षकगणों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ विमल गुप्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर, एबीवाईएसएस फार्मा प्रा. लि. ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फार्मास्यूटिकल उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है और इससे दवाओं के विकास की प्रक्रिया अधिक तेज एवं सटीक हो रही है।

कार्यक्रम में आगे संदीप सोनी, कंसल्टेंट सीएक्सओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, चीक्स हेल्थकेयर ने अपने विस्तृत संबोधन में उद्योग के दृष्टिकोण से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका और उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में फार्मास्यूटिकल उद्योग तीव्र प्रतिस्पर्धा, उच्च अनुसंधान लागत और कम समय में बेहतर परिणाम देने की चुनौती का सामना कर रहा है, ऐसे में एआई एक सशक्त समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है।उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आने वाले समय में एआई केवल एक सहायक तकनीक नहीं रहेगी, बल्कि यह फार्मा सेक्टर की मूलभूत संरचना का हिस्सा बन जाएगी। इस अवसर पर आईटीएस दी एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक डॉ एस सदीश कुमार, सम्मेलन के

आयोजकों, विशिष्ट अतिथियों तथा देश-विदेश से पधारे सभी डेलीगेट्स एवं छात्र-छात्राओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन केवल संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने अपने संबोधन में यह स्पष्ट किया कि आईटीएस दी एजुकेशन ग्रुप का उद्देश्य केवल किताबी शिक्षा प्रदान करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास, उनके व्यावहारिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों से जुड़ाव को सुनिश्चित करना है।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सम्मेलन के माध्यम से प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नई जानकारियां प्राप्त होंगी, जो उनके भविष्य के करियर में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगी।उन्होंने आगे कहा कि किसी भी ज्ञानवर्धक मंच पर एकतरफा संवाद का कोई विशेष महत्व नहीं होता, बल्कि वास्तविक सीख तभी संभव है जब संवाद दो-तरफा हो। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे यहां उपस्थित विशेषज्ञों, वक्ताओं और उद्योग के अनुभवी व्यक्तियों से अपने प्रश्नों को निःसंकोच साझा करें, चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लें और इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं। अंत में उन्होंने सभी का पुनः धन्यवाद करते हुए आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन सभी के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और भविष्य के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा। संस्थान के निदेशक डॉ एस सदीश कुमार ने सभी मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं प्रतिभागियों का हृदय से स्वागत किया। वैज्ञानिक सत्रों के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने अत्याधुनिक तकनीकों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।इसी क्रम में प्रो गौरव गुप्ता, अजमान यूनिवर्सिटी, अजमान, यूएई ने बताया कि पारंपरिक दवा प्रणाली (पिल्स) से डिजिटल एवं एआई आधारित फार्मेसी (पिक्सल्स) की ओर तेजी से परिवर्तन हो रहा है, जिसमें डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डिजिटल हेल्थ टेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।सम्मेलन में आगे प्रो मैमूना अख्तर, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से जटिल जैविक डेटा का विश्लेषण अधिक सटीकता और तीव्रता के साथ संभव हो पाया है।सम्मेलन में प्रो पीयूष मित्तल, शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश ने भी सक्रिय भागीदारी करते हुए शोध, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करते हुए भविष्य में एक अधिक उन्नत, सटीक और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। सम्मेलन के अंतर्गत ओरल प्रेजेंटेशन, विभिन्न प्रकार के पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं विशेष पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया। इस पैनल में डॉ पुनीत गुप्ता, पुनीत निर्मल, संबोधन के निदेशक डॉ एस सदीश कुमार एवं डॉ मनोज कुमार शर्मा ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया। इस चर्चा में प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों और जिज्ञासाओं को पैनलिस्ट्स के समक्ष रखा, जिसका उन्होंने व्यावहारिक उत्तर दिया गया। सम्मेलन के अंतर्गत ओरल प्रेजेंटेशन व पोस्टर प्रेजेंटेशन विजेताओं को प्रतीक चिन्ह व पुरस्कार प्रदान किये गयें। अंत में सम्मेलन का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया, जिसे डॉ राजकुमारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए संस्थान के प्रबंधन, विशेष रूप से आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा व सभी विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं, पैनलिस्ट्स, आयोजकों तथा देश-विदेश से आए प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। सम्मेलन का संचालन मनीष कुमार, साक्षी चौहान व निधी शर्मा ने किया।

आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर में इंडो-गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय सुनहरा संसार वन्दना जोशी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर द्वारा एसोसिएशन ऑफ फार्मेसी प्रोफेशनल्स की गल्फ इंटरनेशनल ब्रांच के सहयोग से ‌‌आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वैश्विक परिदृश्य एवं उभरते रुझान नामक शीर्षक पर इंडो-गल्फ इंटरनेशनल सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 27 विश्वविद्यालय व 39 कॉलेज के 700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में कुल ऑनलाइन व ऑफलाइन साइंटिफिक ऐब्स्ट्रैक्ट 195, ओरल प्रेजेंटेशन में 105 एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 85 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथिगण डॉ0 विमल गुप्ता, मि0 संदीप सोनी, एवं आई0 टी0 एस0 दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चड्ढा, वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा, संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार, संस्थान की डीन डॉ0 राजकुमारी व शिक्षकगणों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ0 विमल गुप्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर, ए0 बी0 वाई0 एस0 एस0 फार्मा प्रा0 लि0 ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फार्मास्यूटिकल उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है और इससे दवाओं के विकास की प्रक्रिया अधिक तेज एवं सटीक हो रही है। कार्यक्रम में आगे मि0 संदीप सोनी, कंसल्टेंट सीएक्सओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, वीवस हेल्थकेयर ने अपने विस्तृत संबोधन में उद्योग के दृष्टिकोण से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में फार्मास्यूटिकल उद्योग तीव्र प्रतिस्पर्धा, उच्च अनुसंधान लागत और कम समय में बेहतर परिणाम देने की चुनौती का सामना कर रहा है, ऐसे में एआई एक सशक्त समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है।उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आने वाले समय में एआई केवल एक सहायक तकनीक नहीं रहेगी, बल्कि यह फार्मा सेक्टर की मूलभूत संरचना का हिस्सा बन जाएगी। इस अवसर पर आई0 टी0 एस0 दी एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा, ने अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार, सम्मेलन के आयोजकों, विशिष्ट अतिथियों तथा देश-विदेश से पधारे सभी डेलीगेट्स एवं छात्र- छात्राओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन केवल संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने अपने संबोधन में यह स्पष्ट किया कि आई0 टी0 एस0 दी एजुकेशन ग्रुप का उद्देश्य केवल किताबी शिक्षा प्रदान करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास, उनके व्यावहारिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों से जुड़ाव को सुनिश्चित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सम्मेलन के माध्यम से प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नई जानकारियां प्राप्त होंगी, जो उनके भविष्य के करियर में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगी। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी ज्ञानवर्धक मंच पर एकतरफा संवाद का कोई विशेष महत्व नहीं होता, बल्कि वास्तविक सीख तभी संभव है जब संवाद दो-तरफा हो। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे यहां उपस्थित विशेषज्ञों, वक्ताओं और उद्योग के अनुभवी व्यक्तियों से अपने प्रश्नों को निःसंकोच साझा करें, चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लें और इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं। अंत में उन्होंने सभी का पुनः धन्यवाद करते हुए आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन सभी के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और भविष्य के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा। संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने अपने स्वागत संबोधन में सभी मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं प्रतिभागियों का हृदय से स्वागत करते हुए कहा कि इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ एक मंच पर एकत्रित हुए हैं। वैज्ञानिक सत्रों के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने अत्याधुनिक तकनीकों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इसी क्रम में प्रो0 गौरव गुप्ता, अजमान यूनिवर्सिटी, अजमान, यूएई ने बताया कि पारंपरिक दवा प्रणाली (पिल्स) से डिजिटल एवं एआई आधारित फार्मेसी (पिक्सल्स) की ओर तेजी से परिवर्तन हो रहा है, जिसमें डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डिजिटल हेल्थ टेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सम्मेलन में आगे प्रो0 मैमूना अख्तर, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली, ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से जटिल जैविक डेटा का विश्लेषण अधिक सटीकता और तीव्रता के साथ संभव हो पाया है, जिससे नई दवाओं की खोज, रोगों की प्रारंभिक पहचान तथा उपचार की प्रभावशीलता में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। सम्मेलन में प्रो0 पीयूष मित्तल, शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश ने भी सक्रिय भागीदारी करते हुए शोध, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करते हुए भविष्य में एक अधिक उन्नत, सटीक और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

सम्मेलन के अंतर्गत ओरल प्रेजेंटेशन, विभिन्न प्रकार के पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं विशेष पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया, जिसने कार्यक्रम को और अधिक ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक बना दिया। इस पैनल में डॉ0 पुनीत गुप्ता, मि0 पुनीत निर्मल, संबोधन के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार एवं डॉ0 मनोज कुमार शर्मा ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया। इस चर्चा में प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों और जिज्ञासाओं को पैनलिस्ट्स के समक्ष रखा, जिनका विशेषज्ञों ने संतोषजनक एवं व्यावहारिक उत्तर दिया गया। सम्मेलन के अंतर्गत ओरल प्रेजेंटेशन व पोस्टर प्रेजेंटेशन विजेताओं को प्रतीक चिन्ह व पुरस्कार प्रदान किये गये। अंत में सम्मेलन का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया, जिसे डॉ0 राजकुमारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए संस्थान के प्रबंधन, विशेष रूप से आई0 टी0 एस0 दी एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा व सभी विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं, पैनलिस्ट्स, आयोजकों तथा देश-विदेश से आए प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया?।सम्मेलन का संचालन मि0 मनीष कुमार, मिस0 साक्षी चौहान व मिस0 निधी शर्मा ने किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर में इंडो-गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित, एआई और फार्मास्यूटिकल साइंसेज पर गहन चर्चा

■ स्मार्ट विज़न समाचार

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में इंडो-गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। ह्यआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वैश्विक परिदृश्य एवं उभरते रुझानह्न विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह सम्मेलन एसोसिएशन ऑफ फार्मेसी प्रोफेशनल्स की गल्फ इंटरनेशनल ब्रांच के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें 27 विश्वविद्यालयों और 39 कॉलेजों के 700 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कुल 195 साइंटिफिक एब्स्ट्रैक्ट प्रस्तुत किए गए, जिनमें 105 ओरल प्रेजेंटेशन और 85 पोस्टर प्रेजेंटेशन शामिल रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. विमल गुप्ता, मि. संदीप सोनी, आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा, निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार एवं डीन डॉ. राजकुमारी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. विमल गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फार्मास्यूटिकल उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है और इससे दवाओं के विकास की प्रक्रिया अधिक तेज और सटीक हो रही है। वहीं मि. संदीप सोनी ने उद्योग के दृष्टिकोण से एआई की बढ़ती भूमिका और उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य में एआई फार्मा सेक्टर की मूलभूत संरचना का हिस्सा बन जाएगा। आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन विद्यार्थियों के लिए सीखने और अपने ज्ञान को बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने प्रतिभागियों को विशेषज्ञों से संवाद कर अधिक से अधिक सीखने के लिए प्रेरित किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ एक मंच पर एकत्रित हुए हैं, जिससे ज्ञान का आदान-प्रदान संभव हुआ है।

वैज्ञानिक सत्रों में अजमान यूनिवर्सिटी, यूएई के प्रो. गौरव गुप्ता, जामिया हमदर्द की प्रो. मैमूना अख्तर एवं शारदा यूनिवर्सिटी के प्रो. पीयूष मित्तल सहित कई विशेषज्ञों ने आधुनिक तकनीकों और एआई के उपयोग पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन के अंतर्गत ओरल और पोस्टर प्रेजेंटेशन के साथ-साथ विशेष पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के व्यावहारिक उत्तर दिए। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। अंत में डीन डॉ. राजकुमारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार, साक्षी चौहान एवं निधि शर्मा द्वारा किया गया।

इंडो-गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

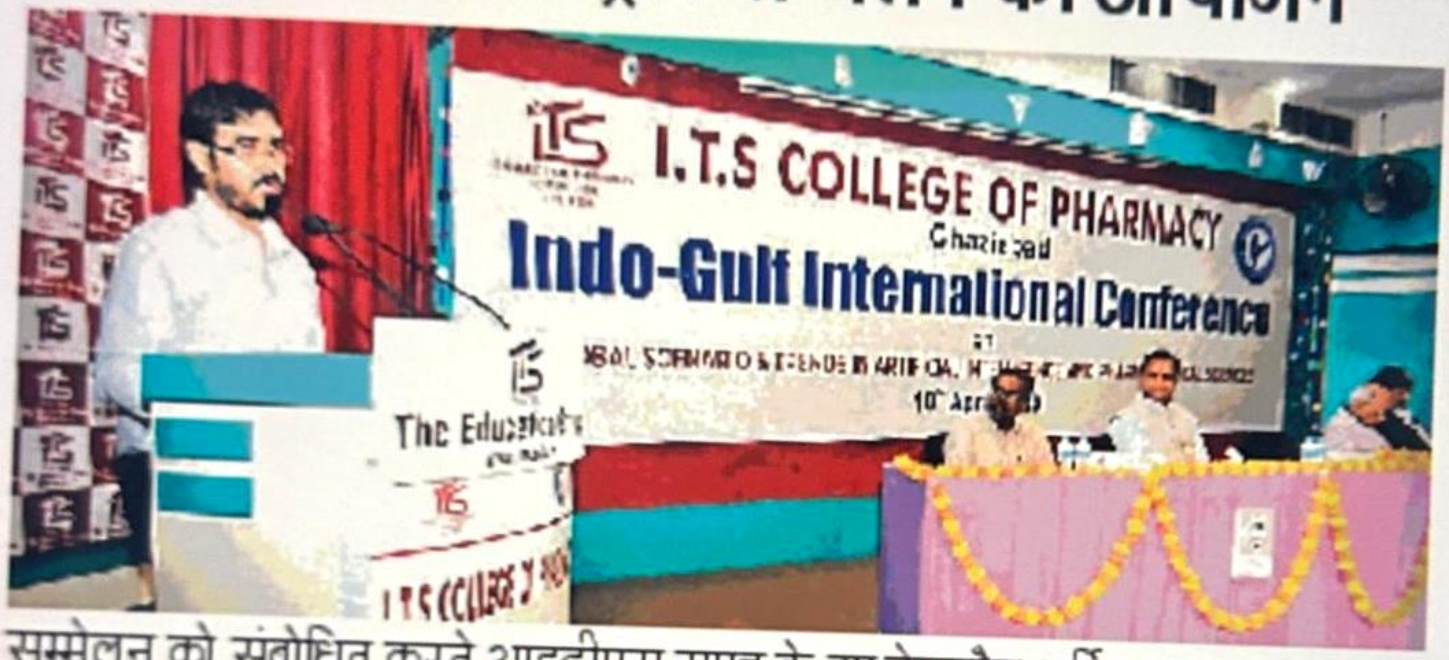

सम्मेलन को संबोधित करते आइटीएस समूह के उप चेयरमैन अर्पित चड्ढा●

संस, जागरण ● मुरादनगर : दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित आइटीएस कालेज आफ फार्मेसी में इंडो गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में विभिन्न संस्थानों के 700 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। कालेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विमल गुप्ता, संदीप सोनी, आइटीएस समूह के चेयरमैन डा. आर पी चढ्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चढ्ढा ने दीप प्रज्वलित करके किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डा. विमल गुप्ता ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फार्मास्यूटिकल उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है और इससे दवाओं के विकास की प्रक्रिया अधिक तेज और सटीक हो रही है। डा. संदीप सोनी ने एआइ की बढ़ती भूमिका के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार, साक्षी चौहान और निधी शर्मा ने किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में

इंडो-गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य आयोजन

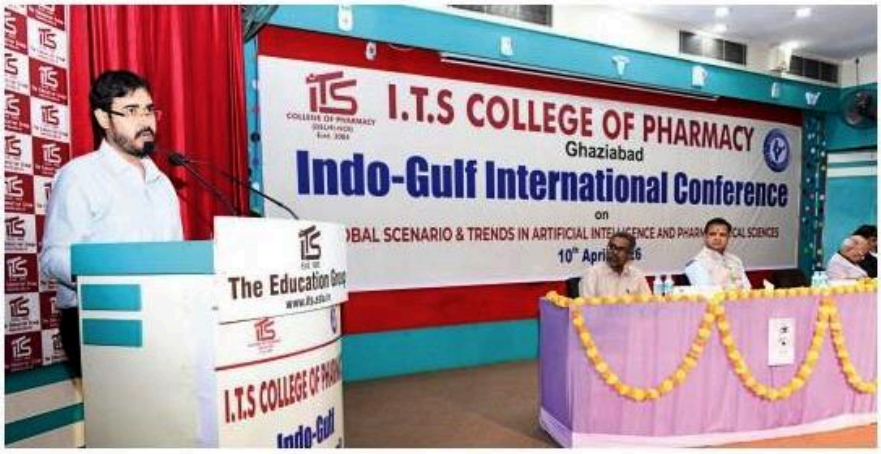

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर ने एसोसिएशन ऑफ फामेर्सी प्रोफेशनल्स की गल्फ इंटरनेशनल ब्रांच के सहयोग से ह्यआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वैश्विक परिदृश्य एवं उभरते रुझानह्व विषयक इंडो-गल्फ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया। इसमें 27 विश्वविद्यालयों और 39 कॉलेजों से 700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कुल 195 वैज्ञानिक ऐब्स्ट्रैक्ट प्रस्तुत हुए, जिनमें 105 ओरल प्रेजेंटेशन और 85 पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताएं शामिल रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. विमल गुप्ता (मैनेजिंग डायरेक्टर, एबीवाईएसएस फार्मा प्रा. लि.), मिस्टर संदीप सोनी, आईटीएस दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, निदेशक डॉ. एस सदीश कुमार, डीन डॉ. राजकुमारी और शिक्षकगणों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ।

वैज्ञानिक सत्र और विशेषज्ञों के विचार

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ प्रो. गौरव गुप्ता (अजमान यूनिवर्सिटी, यूएई) ने पारंपरिक दवाओं से डिजिटल एआई-आधारित फामेर्सी की ओर बदलाव पर चर्चा की, जिसमें डेटा एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. मैमूना अख्तर (जामिया हमदर्द) ने एआई से जटिल जैविक डेटा विश्लेषण, नई दवाओं की खोज और रोग पहचान में सुधार पर बोला। प्रो. पीयूष मित्तल (शारदा यूनिवर्सिटी) ने शोध, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के सेतु पर जोर दिया।

डॉ. विमल गुप्ता ने कहा कि एआई फार्मास्यूटिकल उद्योग में क्रांति ला रहा है, दवाओं के विकास को तेज और सटीक बना रहा है। मिस्टर संदीप सोनी ने उद्योग की चुनौतियों के बीच एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए जोर दिया कि यह फार्मा सेक्टर की मूलभूत संरचना का हिस्सा बन जाएगा। अर्पित चड्ढा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मेलन सीखने का महत्वपूर्ण अवसर है। आईटीएस का लक्ष्य छात्रों के समग्र विकास, व्यावहारिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों से जुड़ाव सुनिश्चित करना है। उन्होंने प्रतिभागियों को विशेषज्ञों से प्रश्न पूछने और चर्चा में सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। निदेशक डॉ. एस सदीश कुमार ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

ओरल, पोस्टर प्रेजेंटेशन और पैनल डिस्कशन में डॉ. पुनीत गुप्ता, मिस्टर पुनीत निर्मल, डॉ. एस सदीश कुमार व डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। डॉ. राजकुमारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन हुआ। संचालन मनीष कुमार, साक्षी चौहान और निधि शर्मा ने किया?

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल अतिथि। संवाद

सम्मेलन में 700 से अधिक छात्रों ने लिया हिस्सा

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ने एसोसिएशन ऑफ फार्मेसी प्रोफेशनल्स की गल्फ इंटरनेशनल ब्रांच के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वैश्विक परिदृश्य एवं उभरते रुझान नामक शीर्षक पर इंडो-गल्फ इंटरनेशनल सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें 27 विश्वविद्यालय व 39 कॉलेज के 700 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। शुभारंभ डॉ. विमल गुप्ता, संदीप सोनी, चेयरमैन डॉ. आरपी चढ्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चढ्ढा, निदेशक डॉ. एस सदीश कुमार, डीन डॉ. राजकुमारी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। डॉ. विमल गुप्ता ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फार्मास्यूटिकल उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा ह। संवाद

2026-04-10 • International Event

APP 13th Indo-Gulf Conference

I.T.S. College of Pharmacy, Muradnagar, Ghaziabad (UP), India: APP Delhi NCT Branch organized one day international conference on "Global Scenario & Trends in Artificial Intelligence and Pharmaceutical Sciences" on 10th April 2026 in collaboration with APP Gulf International Branch and APP CommClinPharm Division, in commemoration of 'World Health Day'. Speakers of the event included Prof. Gaurav Gupta, Adjuct Research Professor, Centre of Medical and Bio-allied Health Sciences Research, Ajman University, Ajman, United Arab Emirates; Prof. Piyush Mittal, Dean, School of Pharmacy, Sharda University, Greater Noida, Uttar Pradesh, India; Prof. Mymoona Akhter, Department of Pharmaceutical Chemistry, School of Pharmaceutical Education and Research, Jamia Hamdard (Deemed to be University), New Delhi, India. The conference was conducted under the leadership of Prof. S. Sadish Kumar, Joint Secretary, APP UP State Branch & Principal, I.T.S. College of Pharmacy, Muradnagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh, India and Prof. Rajiv Dahiya, Founder President APP & Former Director, School of Pharmacy, The University of the West Indies, St. Augustine, Trinidad & Tobago.